माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम (Syllabus) परीक्षा 2025

कक्षा-11वीं

विषयः- चित्रकला Drawing (17)

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है –

प्रश्नपत्र	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	30	100
प्रायोगिक	3+3=6.00	25+25+20 = 70	

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र कुल अंक 30

1. **प्रागैतिहासिक शैल चित्र Prehistoric Rock Paintings** 2.5

परिचय (Introduction)

भीमबेटका गुफा (Bhimbtka Cave)

परिचय, खोज, प्रमुख चित्र, शैली, तकनीक
(Introduction, Innovation, main panting, Style, Technique)

पुरापाषाण कालीन युग (Upper Palaeolithic Period)

मध्यपाषाण युग (Mesolithic Period)

उत्तरपाषाण युग (Chalcolithic Period)

चित्र–शिकार का दृश्य और नृत्य का दृश्य
Panting-Hunting scene and Dancing Scene.

2. **सिंधु घाटी की कलाएं Arts of the Indus Valley** 3.5

सिंधु सभ्यता के प्रमुख स्थान–हडप्पा, मोहनजोदड़ो, लोथल धोलावीरा (गुजरात), राखीगढ़ (हरियाणा) रोपड़ (पंजाब), कालीबंगा (राजस्थान)

Major sites of Indus Vally, Harappa, Mohanjodaro, Lothal and Dholavia in gujrat, Rakhigarhi in Haryana, Ropar Panjab, Kalibangan in Rajasthan.

पत्थर के मूर्तिशिल्प–Stone Statues

दाढी वाले पुजारी की प्रतिमा, पुरूष धड़
Bust of a bearded priest, Male Torso

कांसे की ढलाई, नर्तकी की मूर्ति, वृषभ प्रतिमा
Bronze Casting, Dancing Girl, Bull Statue

मृण्मूर्तियां (टेराकोटा)–Tarracotta

मुद्राऐं (मुहरे)– Seals

मृद्भाण्ड (मातृका मूर्तिशिल्प), आभूषण– Beads and Ornaments.

3. **मौर्य कालीन कला Arts of the Mauryan Period** 3

मौर्यकालीन खंभे, मूर्तिया और शैलकृत वास्तुकला
Maruyan Period Pillars, Sculpture and rock-cut architecture.

सारनाथ सिंह शीर्ष लाट (स्तम्भ) Lion Capital, Sarnath

दीदारगंज की यक्षिणी Didargunj Yakshini

4. **भारतीय कला और स्थापत्य में मौर्येत्तर कालीन प्रवृत्तियाँ** 5.5
Post-Mauryan Trends in Indian Art and Architecture

भरहूत (मध्यप्रदेश)– Bharhut (MP)

सांची स्तूप (मध्यप्रदेश)– Sanchi Stoop (MP)

मथुरा, सारनाथ एवं गांधार से प्राप्त मूर्तियां
Mathura, Sarnath and Gandhara Sculpture

दक्षिण भारतीय बौद्ध स्मारक– Buddist Monuments of South India

पश्चिम भारतीय गुफाएं– Cave Tradition in western india

अजन्ता के गुफा चित्र–Ajanta Cave Panting

एलोरा गुफा मन्दिर– Ellora Cave Temple

एलिफेन्टा एवं अन्य स्थल–Elephanta Cave and other sites

पूर्वी भारत की गुफा परम्परा– Cave Tradition in Eastern India

पद्मासन में बुद्ध, कटरा टीला, मथुरा, बुद्धमुख की प्रतिमा, तक्षशिला, आसनस्थ बुद्ध–सारनाथ, पदॅपाणि बोधिसत्व अंजता, गुफा सं. 1, मार विजय–अंजता, गुफा सं. 26, एलिफैंटा की महेशमूर्ति, भारतीय भित्ति चित्र परंपरा।

Seated Buddha, Katra Mound, Mathura, Buddha Head, Taxila, Seated Buddha Sarnath, Ajanta Cave No-1, Mara Vijay Ajanta Cave No. 26, Mahesh Murti Elephenta, Mural Tradition India.

5. **परवर्ती भित्तित्र चित्रण परंपराए Later Mural Traditions** 3

बादामी (कर्नाटक)– Badami (Karnataka)

पल्लव, पाड्ंय और चोल कालीन भित्तिचित्र–Murals Under the Pallva Pandava and Chola Kings

विजयनगर के भित्तिचित्र–Vijayanagara Murals

केरल के भित्तिचित्र– Kerala Murals

6. मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला **Temple Architecture and Sculpture** 5.5

प्राचीन मंदिर शिल्प–शिव मंदिर, नचना कुठार (मध्यप्रदेश), मूर्तिकला, मूर्तिविद्या और अंलकरण नागर व उत्तर भारतीय मंदिर शैली

Early Temples - Shiva Temple, Nachna, Kuthara (MP), Sculputure, Iconography and Ornamentation, The Nagara or North Indian Temple Style

मध्यभारत के मंदिर–Central India Temple

विश्वनाथ मंदिर, कंदरिया महादेव मंदिर Vishwanatha Temple, Kendariya Mahadev Temple

लक्ष्मण मंदिर (खजुराहो)– Lakshman Temple (Khajuraho)

पश्चिमी भारत के मंदिर–West India Temple

सूर्य मंदिर (गुजरात)–Sun Temple (Gujrat)

पूर्वी भारत के मंदिर–Eastern India Temple

शिव सागर मंदिर (असम), टेराकोटा मंदिर (विष्णुपुर)
Shiva Sagar Temple (Assam), Terracotta Temple (Vishnupur)

जगन्नाथ मंदिर (पुरी), सूर्य मंदिर (कोणार्क) उड़ीसा
Jagannath Temple, Sun Temple (Kornark) Odisha

पहाड़ी क्षेत्र के मंदिर–Hills Temples

द्रविड़ या दक्षिण भारतीय मंदिर –The Dravida or South India Temple

मीनाक्षी मंदिर, मदुरै–Meenakshi Temple (Madurai)

गंगैडोचोलपुरम् मंदिर–(Gangaikondacholapuram Temple

तट मंदिर, महाबल्लीपुरम्–Shore Temple, Mahabalipuram

बृहदेश्वर मंदिर, तंजापुर–Brahadeeshwara Temple, Tanjapur

पांच रथ, महाबल्लीपुरम्–Five Rathas, Mahablipuram

दक्कन की वास्तुकला–Architecture in the Deccan

कैलाशनाथ मंदिर, एलोरा–Kailashnath Temple-Ellora

बादामी मंदिर, विरूपाक्ष मंदिर (पट्टकल)–Badami Temple, Virupaksha Temple (Pattadakal)

दुर्गा मंदिर (ऐहोल), सोमनाथपुरम् मंदिर–Durga Temple (Aiahol), Somnathpuram Temple

बौद्ध और जैन वास्तुकला Buddhist and Jain Architectural

बाहुबली गोमेटेश्वर (कर्नाटक) Lord Bahubali Gomateshawara (Karnataka)

दिलवाड़ा मंदिर (माउंट आबू)–Dilwara Temple (Mount Abu)

महाबलीपुरम् कैलाश पर्वत को हिलाते हुए रावण, लक्ष्मण मंदिर, खजुराहो
Ravana Shaking Mount Kailasha, Ellora, Lakshman Temple in Khajoraho.

7. **भारतीय कांस्य प्रतिमाएँ Indian Bronze Sculpture** 3.5

लुप्त मोम प्रक्रिया (लास्ट–वैक्स प्रोसेस)– The lost-wax process

नटराज की मूर्तिशिल्प–Natraja Sculpture

8. **इण्डो. इस्लामिक वास्तुकला के कुछ कलात्मक पहलू Some Aspects of Indo-Islamic** 3.5

संरचना व शैलियों के प्रकार–Strucutre and Categories of Styles

अन्य सज्जात्मक रूप–Any Dcorative Forms

भवन–निर्माण की सामग्री- Materials of Construction Building

किला, मिनारें, मकबरें, सरायें– Fort, Minars, Tombs, Sarais

मांडु, ताजमहल, गोल गुम्बद, जामा मस्जिद Mandu, TajMahal,Gol Gumbad, Jama Masjid

निर्धारित पुस्तक–

भारतीय कला परिचय भाग–प्रथम NCERT से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

An Introduction to Indian Art Part-1 NCERT's Book Published under Copyright.

BSER

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम (Syllabus) परीक्षा 2025

कक्षा–11वीं

विषयः- चित्रकला–प्रायोगिक Drawing-Practical (17)

खण्ड–अ **वस्तु चित्रण (अंकन)** 25

1. दैनिक जीवन के उपयोग में आने वाली वस्तुओं का (फल, सब्जी, फूल, वस्तु अथवा ज्यामितीय रूपाकार का) यथार्थवादी चित्रण कराया जाये। वस्तु चित्रण में बायीं ओर से आते हुए प्रकाश दर्शाते हुए, छाया प्रकाश से पूर्ण किया जावे। (न्यूनतम तीन वस्तुओं में एक घनाकार वस्तु का समावेश हो) माध्यम– पेन्सिल, आकार–1/4 इम्पीरियल (15''X11'')

Section-A **Object Drawing**

A realistic description of the object (Fruits, Vegetables, flowers, object or geometric shapes) Used in daily life should be made. The drawing of the object should be completed with shadow light showing the light coming from the left side (minimum 3 object should consist of one cuboidal object) Medium –pencil, size-1/4 Imperial (15x11 Inch)

आवश्यक नोट– वस्तु समूह को 2.5 x 2.5 फीट के मॉडल स्टेण्ड पर रखा जावे। मॉडल स्टेण्ड न होने पर स्टूल पर ड्राइंग बोर्ड रखा जावे। पृष्ठभूमि में उपयुक्त रंग का कपडा/कागज लगाया जावे। वस्तु समूह दृष्टि सतह से ऊपर ना हो। मॉडल स्टेण्ड अथवा स्टूल की ऊँचाई 50 सेमी / 20 इंच से अधिक न हो।

Important Note- The Object group should be keep on a model stand of 2.5 x 2.5 feet, if there no model stand a drawing board should be keep on the stool. Suitable color cloth/paper in the background. The object group should not be above the vision surface model. The height of the stand or stool. Should not exceed 50cm/30 inches

खण्ड–ब **चित्र संयोजन (अनुर्अकंन)** 25

1. विद्यार्थियों द्वारा पूर्व अध्ययन खण्ड–अ वस्तु चित्रण में ली गई वस्तुओं का संयोजनात्मक पक्ष द्वारा अनुर्अकंन करना है।

वर्ण नियोजन सिद्धान्त के आधार पर सृजन करने को कहा जाये। (माध्यम व रंग)

Section-B **Rendering**

The Object taken by the student in the pre- study section A object drawing have to be evaluated by the compositional aspect to be asked to create on the basis of color planning theory (medium and color).

खण्ड–स सत्रीय कार्य 20

पॉच वस्तु चित्र यथार्थकन (त्रिआयामी) व पॉच द्विआयामी अनुर्अकंन

50 रेखाचित्र (पेन्सिल, रंग) और राजस्थान की लोक कला शैली से सम्बद्ध दो चित्र अनुकृतियां।

(i) स्केचिंग (रेखांकन) के लिए सप्ताह में दो बार विद्यालय परिसर अथवा बाहर बस स्टेण्ड, रेलवे स्टेशन, सब्जी मण्डी, स्थानीय मेले, सार्वजनिक स्थलों, मन्दिर व ऐतिहासिक स्थलों आदि पर शिक्षक द्वारा ले जाकर छात्रों को रेखांकन अभ्यास कराया जाये।

(ii) प्रायोगिक कार्य उपयुक्त सुविधायुक्त चित्रकला कक्ष में ही सम्पन्न कराया जावें।

(iii) प्रायोगिक कार्य में ट्रेसिंग पेपर का उपयोग निषेध है।

(iv) खण्ड–अ एवं खण्ड–ब की प्रायोगिक परीक्षा एक ही दिन में आयोजित की जावे।

Section-C **Sectional Work**

Five object drawing (three dimensional) and five two dimensional rendering. 50 sketches (Pencils, Color) and two picture reproduction related to the folk art style of Rajasthan.

1. The school campus and out side twice a week for sketching, Students should be made to practice sketching by talking them to bus stand, railway stand, Vegetable market, local fair, public place, temples and historical place etc. by the teacher get it done.
2. The practical work should be completed only in the drawing room with suitable facilities.
3. Use of tracing paper is prohibited in practical work.
4. The practical examination of section A and Section B should be conducted on the same day.

नोट :–

1. सत्र पर्यन्त समय सारिणी इस प्रकार बनाई जाए कि विद्यार्थियों को एक बार में कम से कम दो कालांशों तक निरन्तर प्रायोगिक कार्य करने का अवसर मिल सकें।
2. खण्ड अ व खण्ड ब की प्रायोगिक परीक्षा के मध्य 30 मिनिट का अन्तराल रखें।

Note:-

1. Time table till the session should be made in such a way that the student get the Opportunity to do practical work continuously for at least two periods at a time.
2. Keep a gap of 30 min. between the practical examination of section A and Section B.

निर्धारित पुस्तक

भारतीय कला परिचय भाग–प्रथम NCERT से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित
An Introduction to Indian Art Part-1 NCERT's Book Published under Copyright.

BSER